कुल पृष्ठों की संख्या 04
कुल प्रश्नों की संख्या 11

# वार्षिक परीक्षा, 2015-16

SSP-IX-1

## कक्षा - 9 IX

## विषय - हिन्दी

समय : 3.15 घंटे  पूर्णांक : 100

1. निम्न अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

मानव जाति ने अपने उद्‌भवकाल से ही प्रकृति की गोद में ही जन्म लिया और उसी से अपने भरण-पोषण की सामग्री प्राप्त की। सभी प्रकार के वन्य या प्राकृतिक उपादान ही उसके जीवन और जीविका के एकमात्र साधन थे। प्रकृति ने ही मानव जीवन को संरक्षण प्रदान किया। रामचन्द्र, सीता व लक्ष्मण ने भी पंचवटी नामक स्थान पर कुटिया बनाकर वनवास का लम्बा समय व्यतीत किया था।

वृक्षों की लकड़ी से मानव अनेक प्रकार के लाभ उठाता है। उसने लकड़ी को ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया। इससे मकान व झोंपड़ियाँ बनाईं। इमारती लकड़ी से भवन-निर्माण, कृषि-यन्त्र, परिवहन, जैसे–रथ, ट्रक, रेलों के डिब्बे तथा फर्नीचर आदि बनाए जाते हैं। कोयला भी लकड़ी का प्रतिरूप है। वृक्षों की लकड़ी तथा उसके उत्पाद; जैसे–नारियल का जूट, लकड़ी का बुरादा, चीड़ की लकड़ी आदि विभिन्न वस्तुओं का प्रयोग फल, काँच के बर्तन आदि नाजुक पदार्थों की पैकिंग के लिए किया जाता है।

इस प्रकार वृक्षों से विभिन्न लाभों के अतिरिक्त परोक्ष फायदे भी हैं। जीवन-दायिनी ऑक्सीजन पेड़ों से प्राप्त होती है। वृक्षों के आधिक्य से बाढ़ नियन्त्रण में सहायता मिलती है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 2
(ख) आदिकाल में मानव जीवन किस पर आधारित था? 2
(ग) वनवास-काल में राम, सीता व लक्ष्मण ने कहाँ पर निवास किया था? 2
(घ) लकड़ी का प्रतिरूप किसे बताया गया है? 2
(ङ) वृक्षों से प्रत्यक्ष लाभ के दो उदाहरण बताइये। 2
(च) वृक्षों से परोक्ष फायदा किसमें हो सकता है? 2

2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

कुछ भी बन, बस कायर मत बन, ठोकर मार, पटक मत माथा
तेरी राह रोकते पाहन, कुछ भी बन, बस कायर मत बन
ले-देकर जीना, क्या जीना? कब तक गम के आँसू पीना
मानवता ने तुझकों सींचा, बहा युगों तक खून-पसीना।
कुछ न करेगा? किया करेगा–
रे मनुष्य–बस कातर क्रंदन? अर्पण कर सर्वस्व मनुज को,
कर न दुष्ट को आत्म-समर्पण, कुछ भी बन, बस कायर मत बन।

(क) प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
(ख) प्रस्तुत काव्यांश में कवि क्या करने की प्रेरणा दे रहा है? 1
(ग) हमें किसे क्या अर्पण करना चाहिये? 2
(घ) 'पाहन' शब्द का पर्यायवाची लिखिए। 2
(ङ) कातर क्रन्दन कौन करता है? 2

अथवा

हे ग्राम देवता! नमस्कार! सोने-चाँदी से नहीं किन्तु,
तुमने मिट्टी से किया प्यार। हे ग्राम देवता! नमस्कार!
तुम जन-जन के अधिनायक हो, तुम हँसो कि फूले-फले देश।
आओ सिंहासन पर बैठो, यह राज्य तुम्हारा है अशेष।
उर्वरा भूमि के नये खेत, ये नये धान्य से सजे वेश।
तुम भू पर रहकर भूमि भार, धारण करते हो मनुज-शेष।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
(ख) किसान किससे प्यार करता है? 1
(ग) किसान को ग्राम-देवता क्यों कहा गया है? 2
(घ) जन-मन का अधिनायक किसे कहा गया है? 2
(ङ) 'भूमि' शब्द का पर्यायवाची शब्द बताइये। 2

3. संकेत बिन्दुओं के आधार पर एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए– 10

(1) **प्लास्टिक थैली : पर्यावरण की दुश्मन** –(क) प्रस्तावना (ख) प्लास्टिक कचरे का प्रसार (ग) प्लास्टिक थैलियों से पर्यावरण प्रदूषण (घ) प्लास्टिक थैलियों पर प्रतिबन्ध (ङ) उपसंहार

(2) **जल-संरक्षण : हमारा दायित्व**–(क) प्रस्तावना (ख) जल-चेतना हमारा दायित्व (ग) जल-संकट के दुष्परिणाम (घ) जल-संरक्षण के उपाय (ङ) उपसंहार

(3) **जीवन की वह चिरस्मरणीय यात्रा** –(क) प्रस्तावना (ख) यात्रा का कार्यक्रम तथा तैयारी (ग) यात्रा के लिए प्रस्थान (घ) यात्रा के अनुभव (ङ) यात्रा की रोचकता (च) उपसंहार

4. अपने आपको जयपुर निवासी अविनाश मानकर अजमेर निवासी अपने पिताजी को पत्र लिखिए जिमसें अपनी परीक्षा की तैयारी आदि का उल्लेख कीजिए। 5

अथवा

बस में बैठे दो यात्रियों के मध्य हो रही बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

5. (1) (क) 'अन' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए। 1
(ख) 'कार' प्रत्यय लगाकर दो शब्द बनाइए। 1
(ग) 'वह एक किलो फल लाया।' इस वाक्य में विशेषण शब्द छाँटिए। 1

(2) (क) 'राम वन को प्रस्थान कर गये' वाक्य में परसर्ग 'ने' का प्रयोग कर पुनः लिखिए। 1½
(ख) 'सैनिक ने अन्त तक हिम्मत नहीं हारी' इस वाक्य से परसर्ग 'ने' हटाकर पुनः लिखिए। 1½

(3) रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने प्रकार होते है? 3

(4) (क) 'अनल' और 'अखिल' शब्दों के अर्थ लिखिए। 1
(ख) 'आँख' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। 1
(ग) 'अनाथ' व 'आस्तिक' शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। 1

(5) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए– 3
(क) आँखों में धूल झोंकना। (ख) अपना उल्लू सीधा करना।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

ऊँची काली दीवारों के घेरे में, डाकू, चोरों बटमारों के डेरे में,
जीने को नहीं देते पेट-भर खाना, मरने भी देते नहीं, तड़फ रह जाना।
जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है, शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है?
हिमकर निराश कर चला रात भी काली, इस समय कालिमामयी जगी क्यूँ आली?

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए। 1½
(ख) कवि कोयल से क्या प्रश्न करता है? 1½
(ग) कवि को कारागार में किनके साथ रखा गया था? 1½
(घ) जेल में कवि के साथ कैसा व्यवहार किया गया? 1½

अथवा

तब मैं छोटा था, और मैंने यमराज के घर का पता पूछा था
तुम जहाँ भी हो वहाँ से हमेशा दक्षिण में
माँ की समझाइश के बाद, दक्षिण दिशा में पैर करके मैं कभी नहीं सोया
और इससे इतना फ़ज़यदा जरूर हुआ, दक्षिण दिशा पहचानने में
मुझे कभी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा।

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए। 1½
(ख) माँ ने यमराज के निवास के बारे में कवि को क्या बताया? 1½
(ग) माँ की समझाइश का कवि पर क्या प्रभाव पड़ा? 1½
(घ) क्या दक्षिण दिशा की ओर पैर करके सोने से यमराज नाराज हो जाता है? क्या आप इससे सहमत हैं?

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए– 3×3=9
(उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द)

(क) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?
(ख) कवि का ब्रज के वन, बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण है?
(ग) आपने अपने शहर में बच्चों को कब-कब और कहाँ-कहाँ काम करते हुए देखा है?
(घ) सरसों को 'सयानी' कहकर कवि क्या कहना चाहता है?

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

वही प्रोफेसर मनमोहन वर्मा आगे चलकर जम्मू यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर रहे, गोरखपुर यूनिवर्सिटी के भी रहे। कहने का तात्पर्य यह है कि मेरे छोटे भाई का नाम वही चला जो ताई साहिबा ने दिया। उनके यहाँ भी हिन्दी चलती थी, उर्दू भी चलती थी। यों अपने घर में वे अवधी बोलते थे। वातावरण ऐसा था उस समय कि हम लोग बहुत निकट थे। आज की स्थिति देखकर लगता है, जैसे वह सपना ही था। आज वह सपना खो गया।

(क) प्रोफेसर वर्मा कौन थे? उनका नामकरण किसने किया था? 1½
(ख) बेगम साहिबा के घर में कौन-कौनसी भाषाएँ बोली जाती थीं? 1½
(ग) महादेवी के बचपन और वर्तमान स्थिति में क्या अन्तर आ चुका है? 1½
(घ) जैसे वह सपना ही था, आज वह सपना खो गया। यहाँ लेखिका ने किस सपने की बात कही है और क्यों? 1½



अथवा

'गुरूदेव वहाँ बड़े आनन्द में थे। अकेले रहते थे। भीड़-भाड़ उतनी नहीं होती थी, जितनी शान्तिनिकेतन में। जब हम लोग ऊपर गए तो गुरूदेव बाहर एक कुर्सी पर चुपचाप बैठे अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यान-स्तिमित नयनों से देख रहे थे। हम लोगों को देखकर मुस्कराए, बच्चों से जरा छेड़छाड़ की, कुशल प्रश्न पूछे और फिर चुप हो रहे। ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया और उनके पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरूदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा। वह आँखे मूँदकर अपने रोम-रोम से उस स्नेह-रस का अनुभव करने लगा। गुरूदेव ने हम लोगों की ओर देखकर कहा, "देखा तुमने, यह आ गए। कैसे इन्हें मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ, आश्चर्य है! और देखो, कितनी परितृप्ति इनके चेहरे पर दिखाई दे रही है।"

(क) लेखक जब गुरूदेव के पास पहुँचा, तो वे क्या कर रहे थे? 1½
(ख) गुरूदेव श्री निकेतन में किस तरह रहते थे? 1½
(ग) गुरूदेव के द्वारा कुत्ते की पीठ पर हाथ फेरने से उसने क्या अनुभव किया? 1½
(घ) गुरूदेव ने कुत्ते के बारे में लेखक से क्या कहा? 1½

9. *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 40 शब्द लिखिए–* 9
(क) लेखिका महादेवी वर्मा उर्दू-फारसी क्यों नहीं सीख पाई?
(ख) सड़क दुर्घटनाओं के कारण बताते हुए सुरक्षित यात्रा हेतु वाहन चालकों द्वारा बरती जाने वाली प्रमुख सावधानियों का वर्णन कीजिए।
(ग) काँजी हौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?
(घ) किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया?

10. "शहरवासी सिर्फ माटी वाली को नहीं, उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते हैं।" आपकी समझ से वे कौन से कारण रहे होंगे, जिनके तहत माटी वाली को सब पहचानते थे? अथवा 8
अपनी बेटी का रिश्ता तय करने के लिए रामस्वरूप उमा से जिस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा कर रहे हैं, वह उचित क्यों नहीं है?

11. निम्न में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्द दीजिए– 4×3=12
(क) 'मृत्यु का तरल दूत' किसे कहा गया है और क्यों?
(ख) लेखिका ने अपनी नानी को कभी देखा भी नहीं, फिर भी उनके व्यक्तित्व से वे क्यों प्रभावित थी?
(ग) समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन-कौनसे प्रयास कर सकते हैं?
(घ) वह ऐसी कौन-सी बात रही होगी जिसने लेखक को दिल्ली जाने के लिए बाध्य कर दिया? 'किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

□□□